दानापुर, फुलवारी व खगौल के सिटी डेवेलपमेंट प्लान तैयार

संवरेंगे आसपास के क्षेत्र

राकेश रंजन ■ पटना

राजधानी को महानगर के तर्ज पर विकसित करने के लिए उसके आसपास के छोटे शहरों के भी सिटी डेवेलपमेंट प्लान तैयार किये गये हैं. इन शहरों में दानापुर, खगौल व फुलवारीशरीफ के क्षेत्र शामिल हैं. इसका उद्देश्य है कि जो नये-नये मुहल्ले विकसित हो रहे हैं, वे बेतरतीब ढंग से नहीं बसें और वहां मूलभूत सुविधाओं का विकास करना है. इस पर आम लोगों की भी राय ली जायेगी. इसके अलावा एक मास्टर प्लान भी तैयार किया गया है.

क्या है प्लान में

पटना के साथ दानापुर, खगौल व फुलवारीशरीफ क्षेत्र के जो डेवेलपमेंट प्लान तैयार किये गये हैं, उनमें सड़क, बिजली, पेयजल आपूर्ति, ड्रेनेज व सिवरेज की सुविधाओं के विकास के लिए अलग-अलग योजनाएं तैयार की गयी हैं. सरकार का मानना है कि वर्तमान में इन इलाकों में जो कॉलोनियां विकसित हो रही हैं, वहां न तो ठीक से सड़क का विकास हो रहा

शेष पेज 19 पर

बेतरतीब ढंग से बस रही कॉलोनियों का होगा ठीक से विकास

मास्टर प्लान भी है तैयार

राजधानी को 'ग्रेटर पटना' के रू प में विकसित करने के लिए मास्टर प्लान, 2030 तैयार किया गया है. ग्रेटर पटना में राजधानी का क्षेत्रफल 114 वर्ग किमी से बढ़ कर 335 वर्ग किमी हो जायेगा. इसमें दानापुर, फुलवारीशरीफ, खगौल, फतुहा, गौरीचक, हाजीपुर, सोनपुर, मनेर, बिहटा, नौबतपुर, बिक्रम आदि को शामिल करना है. इन इलाकों को नवी मुंबई के तर्ज पर विकसित करने की योजना है. इन इलाकों में व्यवस्थित तरीके से पार्क, नाला, बिजली, सड़क, पानी की व्यवस्था करनी है. इसके साथ बिहटा से फतुहा तक तीसरा बाइपास का निर्माण भी कराया जाना है और गंगा के किनारे के क्षेत्र को भी विकसित करना है.

कहां क्या होगा विकास

दानापुर में सिवरेज लाइन के विकास पर 63.72 करोड़ खर्च किये जायेंगे. इसके अलावा वहां सामुदायिक शौचालय का भी निर्माण कराया जायेगा. ड्रेनेज के विकास पर 8.86 करोड़ खर्च किये जायेंगे. नौ किमी पक्के और 19 किमी कच्चे ड्रेन का जीर्णोद्धार कराया जायेगा. कचरा उठाव की व्यवस्था निजी हाथों में सौंपी जायेगी. कचरा प्रबंधन पर 4.62 करोड़ खर्च होंगे. स्ट्रीट लाइट, हाइ मास्ट लाइट और हाइ मास्ट पोल के निर्माण पर करीब 1.56 करोड़ खर्च किये जायेंगे. खगौल में सिवरेज के निर्माण पर 21.12 करोड़, ड्रेनेज के निर्माण पर 4.52 करोड़, रोड, ट्रैफिक व ट्रांसपोटेशन पर 18.36 करोड़ व स्ट्रीट लाइटिंग पर 2.64 करोड़ खर्च किये जायेंगे. फुलवारीशरीफ में नये तरीके से ड्रेनेज, सिवरेज व जलापूर्ति पाइप लाइन का विकास किया जायेगा. यहां सिवरेज पर 40.81 करोड़, ड्रेनेज निर्माण पर 8.59 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे. इसके अलावा यहां से भी डोर-टू- डोर कचरा उठाव का काम किया जायेगा, जिसके लिए प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है.

वर्तमान में क्या है परेशानी

वर्तमान में राजधानी के आसपास के इलाकों में सड़क निर्माण के पहले ही बड़े-बड़े भवनों का निर्माण हो रहा है. इसके अलावा पेयजल आपूर्ति की भी व्यवस्था भी नहीं है. नाला नहीं होने से लोगों को आसपास की खाली जमीन में पानी गिराना पड़ रहा है. न तो इन इलाकों में सफाई की कोई व्यवस्था है और न ही पार्क व पार्किंग की. पार्क नहीं होने से बच्चों को खेलने-कूदने से परेशानी हो रही है. आवासीय के साथ-साथ कॉमर्शियल इलाके भी विकसित हो रहे हैं. सड़कें भी पतली बन रही हैं.